प्रारंभिक परीक्षा

अबाथसहायेश्वरर मंदिर

संदर्भ

अबाथसहायेश्वरर मंदिर हाल ही में तब चर्चा में आया जब हेरिटेज संरक्षण के लिए इसे UNESCO एशिया-पैसिफिक अवार्ड ऑफ़ डिस्टिंक्शन (2024) मिला।

अबाथसहायेश्वरर मंदिर के बारे में

- **प्रकार**: 12वीं सदी का चोल-युगीन हिंदू मंदिर और एक जीवित विरासत स्मारक।
- **स्थान**: तमिलनाडु।
- **संरक्षण**: बाद के चोल शासकों कुलोत्तुंग प्रथम और विक्रम चोल से जुड़ा हुआ।
- **वास्तुकला शैली**: दुर्लभ 'कारा कोविल' शैली में निर्मित (रथ के आकार में बना मंदिर)।
- **खासियत:** यहाँ भगवान सरबेश्वरर की सबसे पुरानी ज्ञात पत्थर की मूर्तियों में से एक मौजूद है।

कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (CAC)

संदर्भ

जिनेवा में कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन के 49वें सत्र (CAC49) में, भारत ने अपने नेतृत्व में विकसित सात अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानकों और दिशानिर्देशों को अपनाने में सफलता प्राप्त की।

कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (CAC) के बारे में

- **प्रकृति:** एक अंतर-सरकारी निकाय जो अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानक विकसित करता है।
- **स्थापना:** खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा।
- **स्थापना वर्ष:** 1963।
- **उद्देश्य:** उपभोक्ता स्वास्थ्य की रक्षा करना, खाद्य व्यापार में निष्पक्ष प्रथाओं को सुनिश्चित करना, तथा अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानकों, दिशानिर्देशों और आचरण संहिताओं का विकास करना।

रविदासिया समुदाय

संदर्भ

रविदासिया समुदाय ने हाल ही में आगामी जनगणना में एक अलग धर्म के रूप में मान्यता देने की अपनी मांग को दोहराया है।

रविदासिया समुदाय के बारे में

- **प्रकृति:** एक दलित सामाजिक-धार्मिक समुदाय जो 15वीं-16वीं शताब्दी के भक्ति संत गुरु रविदास की शिक्षाओं का पालन करता है।
- **प्राथमिक संकेंद्रण:** मुख्य रूप से पंजाब के दोआबा क्षेत्र में संकेंद्रित।
- **आध्यात्मिक केंद्र:** डेरा सचखंड बल्लां, जालंधर, पंजाब में स्थित।
- **पवित्र ग्रंथ:** 'अमृतबानी गुरु रविदास जी', जिसमें गुरु रविदास को समर्पित 200 भजन शामिल हैं।
- **मूल दर्शन:** सामाजिक समानता, जाति-मुक्त समाज और सार्वभौमिक भाईचारे की वकालत करता है, जो 'बेगमपुरा' (दुख, जाति और भेदभाव से मुक्त एक आदर्श समाज) की अवधारणा पर केंद्रित है।
- **धार्मिक पहचान:** एक रविदासिया सभा पर 2009 के वियना हमले के बाद 2010 में इसे एक अलग धर्म (रविदासिया पंथ) घोषित किया गया।
- **तीर्थ स्थल:** श्री गुरु रविदास जन्म स्थान, सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी (उत्तर प्रदेश), जो गुरु रविदास का जन्मस्थान है।

गुरु रविदास

- 15वीं-16वीं शताब्दी के भक्ति संत, कवि और समाज सुधारक जिन्हें समानता, भक्ति और जातिगत भेदभाव की अस्वीकृति की वकालत करने के लिए जाना जाता है।
- **समकालीन:** कबीर, गुरु नानक और मीरा बाई।
- उनके कई भजनों को सिख धर्म के पवित्र ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' में शामिल किया गया है।

डायरेक्ट C-H बॉन्ड फंक्शनलाइजेशन (DIRECT C–H BOND FUNCTIONALISATION)

संदर्भ

आईआईटी बॉम्बे के शोधकर्ताओं ने सीधी-श्रृंखला वाले कार्बनिक यौगिकों को जटिल वलय-आकार के अणुओं में परिवर्तित करने के लिए एक एकल-चरण विधि विकसित की है, जिससे जैवसक्रिय रसायनों का अधिक तीव्र और कुशल संश्लेषण संभव हो गया है।

डायरेक्ट सी-एच बॉन्ड फंक्शनलाइजेशन के बारे में

- **प्रकृति**: एक कृत्रिम रसायन विज्ञान तकनीक जो कार्बनिक अणुओं में कार्बन-हाइड्रोजन (C-H) बॉन्ड को पूर्व संशोधन की आवश्यकता के बिना चुनिंदा रूप से नए रासायनिक बॉन्ड में परिवर्तित करती है।
- **विकासकर्ता**: भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC) के सहयोग से प्रो. देबब्रत मैटी के नेतृत्व में आईआईटी बॉम्बे के शोधकर्ताओं द्वारा।
- **अनुप्रयोग**: जैवसक्रिय अणुओं, म्यूरीकैटैसिन (सोरसोप में पाया जाने वाला एक कैंसर रोधी यौगिक) जैसे प्राकृतिक उत्पादों, और फ्लेवर, सुगंध तथा विशेष रसायनों सहित औद्योगिक रसायनों के तीव्र संश्लेषण को सक्षम बनाता है।

जू लैंग (JL) मिसाइल सीरीज़

संदर्भ

चीन ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में अपनी पहली पनडुब्बी-लॉन्च इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) का परीक्षण किया, जिससे पनडुब्बी-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों (SLBMs) की जू लैंग (JL) सीरीज़ पर ध्यान गया।

जू लैंग (JL) मिसाइल सीरीज़ के बारे में

- **प्रकृति**: पनडुब्बी-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों (SLBMs) का एक समूह, जिसे चीन ने अपनी परमाणु त्रयी (न्यूक्लियर ट्रायड) के समुद्री-आधारित हिस्से के रूप में विकसित किया है।
- **विकासकर्ता**: इसे पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) ने बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों (SSBNs) पर तैनात करने के लिए विकसित किया है।
- **मुख्य प्रकार (वेरिएंट्स)**
    - JL-1: चीन की पहली ऑपरेशनल SLBM, जिसकी रेंज 1,700–1,770 किमी है।
    - JL-2: 2015 के आसपास सेवा में शामिल हुई, जिसकी रेंज 7,000–8,000 किमी है; इसने चीन को पहली बार भरोसेमंद समुद्री-आधारित परमाणु प्रतिरोध क्षमता प्रदान की।
    - JL-3: 2022 के आसपास से ऑपरेशनल, जिसकी अनुमानित रेंज 11,000–13,000 किमी है और यह मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल्स (MIRVs) ले जाने में सक्षम है।

कोरकू समुदाय

संदर्भ

मध्य प्रदेश में हाल ही में कोरकू समुदाय के सदस्यों ने अपने वन और भूमि अधिकारों के संरक्षण की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

कोरकू समुदाय के बारे में

- **प्रकृति**: मुंडा जातीय समूह से संबंधित एक अनुसूचित जनजाति (ST)।
- **वितरण**: मुख्य रूप से मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के आसन्न हिस्सों में, विशेष रूप से मेलघाट टाइगर रिजर्व के आसपास पाए जाते हैं।
- **भाषा**: कोरकू बोलते हैं, जो एक ऑस्ट्रोएशियाई (मुंडा) भाषा है, जिसे आम तौर पर देवनागरी लिपि में लिखा जाता है। कोरकू भाषा को यूनेस्को द्वारा भारत की लुप्तप्राय भाषाओं में सूचीबद्ध किया गया है।
- **पारंपरिक पेशा:** पारंपरिक रूप से शिकारी-संग्रहकर्ता, जो बाद में स्थायी कृषि की ओर स्थानांतरित हो गए।
- **संरक्षण प्रथाएं**: 'हरी' और 'जितोरी' त्योहार मनाते हैं, जिसके दौरान समुदाय वृक्षारोपण करता है और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देता है।

- **पारंपरिक नृत्य:** समुदाय 'गड़ली' नृत्य करता है, जिसमें पुरुष पगड़ी के साथ सफेद पोशाक पहनते हैं, जबकि महिलाएं रंगीन किनारी वाली साड़ियां पहनती हैं और 'चिटकोला' नामक एक पारंपरिक तालवाद्य बजाती हैं।
- **गोदना (टैटू) परंपरा:** कोरकू महिलाओं के बीच गोदना गुदवाना एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक प्रथा है, जिसमें माथे पर 'कापर-गोदाई' टैटू एक विशिष्ट पारंपरिक रूपांकन (motif) है।
- **पारंपरिक शासन:** यह समुदाय 'चावड़ी स्वशासन' के रूप में ज्ञात एक प्रथागत स्वशासन प्रणाली का पालन करता है, जो स्थानीय विवादों को सुलझाती है और गांव के मामलों का प्रबंधन करती है।

साइक्लोस्पोरियासिस (CYCLOSPORIASIS)

संदर्भ

अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (CDC) ने हाल ही में संयुक्त राज्य भर में साइक्लोस्पोरियासिस के मल्टी-स्टेट प्रकोप के बाद एक स्वास्थ्य परामर्श जारी किया है।

साइक्लोस्पोरियासिस के बारे में

- **प्रकृति:** एक सूक्ष्म एक-कोशिकीय प्रोटोजोआ परजीवी के कारण होने वाली खाद्य जनित परजीवी बीमारी।
- **संचरण:** संक्रामक ऊसिस्ट (oocysts) (परजीवी की पर्यावरणीय रूप से परिपक्व अवस्था) से दूषित भोजन या पानी के सेवन से मल-मुख मार्ग (faecal-oral route) के माध्यम से फैलता है।
- **संचरण स्वरूप:** यह सीधे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता है।
- **सामान्य स्रोत:** अक्सर दूषित ताजी उपज से जुड़ा होता है, जिसमें पत्तेदार सब्जियां, तुलसी (basil), हरा धनिया, रास्पबेरी और स्नो मटर शामिल हैं।

गंडक नदी

संदर्भ

नेपाल में इसके जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के बाद हाल ही में बिहार में गंडक नदी ने खतरे के निशान को पार कर लिया।

गंडक नदी के बारे में

- **प्रकृति:** एक सीमा-पार हिमालयी नदी (भारत और नेपाल) और गंगा की प्रमुख बाएं किनारे की सहायक नदियों में से एक।
- **उद्गम:** तिब्बत सीमा के पास नेपाल के मस्टैंग क्षेत्र में न्हुबिन हिमाल ग्लेशियर से निकलती है।
- **संगम:** बिहार के हाजीपुर के पास गंगा में मिलती है।
- **गॉर्ज (महाखड्ड):** धौलागिरी और अन्नपूर्णा पर्वत श्रृंखलाओं के बीच स्थित दुनिया के सबसे गहरे गॉर्ज में से एक, काली गंडकी गॉर्ज से होकर बहती है।
- **पारिस्थितिक महत्व:** चितवन राष्ट्रीय उद्यान (नेपाल) और वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (बिहार) को जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण वन्यजीव गलियारे के रूप में कार्य करती है।

CAPACITIES प्रोग्राम

संदर्भ

हाल ही में "स्केलिंग अर्बन क्लाइमेट रेजिलिएंस: द CapaCITIES लिगेसी एंड वे फॉरवर्ड" (शहरी जलवायु लचीलेपन को बढ़ाना: CapaCITIES की विरासत और आगे की राह) कार्यक्रम के दौरान, पिछले दशक में CapaCITIES प्रोग्राम के तहत हुई प्रगति पर प्रकाश डाला गया।

CapaCITIES प्रोग्राम के बारे में

- **स्वरूप:** भारतीय शहरों में कम-कार्बन और जलवायु-लचीले शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए क्षमता-निर्माण की एक पहल।
- **शुरुआत:** 2016 में।
- **फंडिंग एजेंसी:** भारत और भूटान में स्विट्जरलैंड का दूतावास।
- **कार्यान्वयन एजेंसियां:** ICLEI साउथ एशिया, साउथ पोल और econcept।
- **शामिल शहर:** अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा, उदयपुर, सिलीगुड़ी, कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली और तिरुनेलवेली जैसे शहर, साथ ही गुजरात और तमिलनाडु की राज्य सरकारें भी इसमें शामिल हैं।

मुख्य परीक्षा

पर्यटन: भारत के विकास के अगले मोर्चे को खोलना

संदर्भ:

भारत के आतिथ्य क्षेत्र (hospitality sector) ने महामारी के बाद निरंतर वृद्धि दर्ज की है, जिसमें बढ़ती ऑक्यूपेंसी, उच्च कमरे के टैरिफ और निवेशकों के बढ़ते विश्वास को देखा गया है, जो आर्थिक विकास और निवेश के चालक के रूप में पर्यटन की बढ़ती भूमिका को उजागर करता है।

पर्यटन भारत के शहरी और ग्रामीण परिदृश्य को कैसे नया आकार दे रहा है?

शहरी परिदृश्य

- **टियर-II और टियर-III शहरों के विकास को उत्प्रेरित करता है:** पर्यटन आतिथ्य, परिवहन और संबद्ध सेवाओं में निवेश आकर्षित करके छोटे शहरों के लिए एक नए विकास इंजन के रूप में उभर रहा है, जिससे महानगरीय केंद्रों में आर्थिक गतिविधियों के अत्यधिक संकेंद्रण को कम किया जा रहा है।
    - उदाहरण: उड़ान (UDAN) योजना के तहत क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विस्तार ने देवघर (झारखंड) और शिरडी (महाराष्ट्र) जैसे गंतव्यों से कनेक्टिविटी में सुधार किया है, जिससे पर्यटन-नेतृत्व वाले शहरी विकास को बढ़ावा मिला है।
- **विरासत-आधारित शहरी पुनरुद्धार को गति देता है:** पर्यटन विरासत संरक्षण और बेहतर नागरिक बुनियादी ढांचे के माध्यम से ऐतिहासिक परिसरों के पुनरोद्धार को बढ़ावा देता है, साथ ही स्थानिक जेंट्रीफिकेशन (spatial gentrification) में भी योगदान देता है जो पारंपरिक समुदायों और अनौपचारिक आजीविका को विस्थापित कर सकता है।
    - उदाहरण: काशी विश्वनाथ कॉरिडोर ने एकीकृत शहरी पुनर्विकास के माध्यम से वाराणसी के विरासत केंद्र को बदल दिया है।
- **नए शहरी और उप-शहरी दबाव उत्पन्न करता है:** तीव्र पर्यटन विस्तार अक्सर गंतव्यों की वहन क्षमता (carrying capacity) से अधिक हो जाता है, जिससे प्रमुख पर्यटन गलियारों के साथ भीड़भाड़, पानी की कमी, अपशिष्ट संचय और अनियोजित रूर्बन (rurban) विकास होता है।
    - उदाहरण: शिमला में बार-बार पानी की कमी और ऋषिकेश-शिवपुरी कॉरिडोर के साथ बढ़ता रिबन विकास (ribbon development) पर्यटन-प्रेरित बुनियादी ढांचे के दबाव को दर्शाता है।

ग्रामीण परिदृश्य

- **ग्रामीण आजीविका में विविधता लाता है:** पर्यटन होमस्टे, हस्तशिल्प, कृषि-पर्यटन, पर्यावरण-पर्यटन और सांस्कृतिक उद्यमों के माध्यम से पूरक आय उत्पन्न करता है, कृषि पर निर्भरता को कम करता है जबकि विविध सेवा-आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं की दिशा में प्राथमिक क्षेत्र की निर्भरता से संरचनात्मक परिवर्तन को संचालित करता है।
    - उदाहरण: सिक्किम के ग्राम होमस्टे मॉडल ने समुदाय-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देते हुए संधारणीय आजीविका का सृजन किया है।

- **क्षेत्रीय एकीकरण और सांस्कृतिक पुनरोद्धार को बढ़ावा देता है:** पर्यटन दूरस्थ, आदिवासी, तटीय और पहाड़ी क्षेत्रों को मुख्यधारा के बाजारों से जोड़ता है जबकि स्थानीय शिल्प, भोजन और सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन पैदा करता है।
    - उदाहरण: स्वदेश दर्शन योजना क्षेत्रीय विकास के नेतृत्व वाले पर्यटन का विस्तार करते हुए बौद्ध, तटीय और डेजर्ट सर्किट जैसे विषयगत सर्किट विकसित करती है।
- **ग्रामीण भूमि उपयोग और पारिस्थितिक परिदृश्यों को बदलता है:** अनियंत्रित पर्यटन कृषि और पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील भूमि को वाणिज्यिक पर्यटन बुनियादी ढांचे में परिवर्तित कर सकता है, जिससे स्थानीय संस्कृति के व्यावसायीकरण को प्रोत्साहित करते हुए आपदा भेद्यता (disaster vulnerability) बढ़ जाती है।
    - उदाहरण: जोशीमठ के भूमि धंसने से उजागर पारिस्थितिक नाजुकता के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तेजी से रिसॉर्ट विस्तार, संधारणीय गंतव्य योजना की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

पर्यटन भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और सॉफ्ट पावर को कैसे मजबूत करता है?

वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता

- **उच्च-मूल्य वाले सेवा निर्यातों को मजबूत करता है:** पर्यटन स्वास्थ्य सेवा, आतिथ्य, विमानन और MICE (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियां) पर्यटन जैसे क्षेत्रों का पूरक है, जिससे उच्च-मूल्य वाले सेवा निर्यातों में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है।
    - उदाहरण: मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (MVT) हब के रूप में भारत का उभरना, साथ ही भारत मंडपम और यशोभूमि जैसे विश्व स्तरीय कन्वेंशन केंद्रों ने वैश्विक MICE बाजार में इसकी स्थिति को मजबूत किया है।
- **वैश्विक कनेक्टिविटी में सुधार करता है:** निर्बाध अंतरराष्ट्रीय हवाई कनेक्टिविटी, सरलीकृत वीज़ा व्यवस्था और एकीकृत मल्टीमॉडल परिवहन भारत की पहुंच में सुधार करते हैं, जिससे यह एक अधिक प्रतिस्पर्धी पर्यटन गंतव्य बन जाता है।
    - उदाहरण: 160 से अधिक देशों में ई-वीज़ा सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ बढ़ती अंतरराष्ट्रीय हवाई कनेक्टिविटी ने भारत की पर्यटन प्रतिस्पर्धात्मकता को काफी बढ़ाया है।
- **मानव पूंजी और डिजिटल प्रतिस्पर्धात्मकता का निर्माण करता है:** पर्यटन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुशल आतिथ्य पेशेवरों का विकास करके भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करता है, जबकि निर्बाध आगंतुक अनुभव प्रदान करने के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (DPI) का लाभ उठाता है।
    - उदाहरण: अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों के लिए UPI का विस्तार, डिजीयात्रा, और विश्व स्तर पर बेंचमार्क किए गए आतिथ्य प्रशिक्षण ने प्रौद्योगिकी-सक्षम पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया है।

सॉफ्ट पावर

- **भारत की सभ्यतागत विरासत को प्रदर्शित करता है:** पर्यटन विरासत, बौद्ध धर्म, योग, आयुर्वेद और आध्यात्मिकता के माध्यम से भारत की सभ्यतागत संपत्तियों का लाभ उठाता है, इंडो-पैसिफिक में सांस्कृतिक कूटनीति और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करता है।

- उदाहरण: भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के माध्यम से ता प्रोहम मंदिर (कंबोडिया) के भारत के जीर्णोद्धार के साथ-साथ बौद्ध सर्किट, भारत के सभ्यतागत नेतृत्व को सुदृढ़ करता है और अशोकन सांस्कृतिक कूटनीति की स्थायी विरासत को दर्शाता है।

- **प्रवासी जुड़ाव को मजबूत करता है:** पर्यटन भारतीय प्रवासियों के साथ सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंधों को गहरा करता है, विदेशी भारतीयों को भारत की विरासत, निवेश क्षमता और वैश्विक प्रभाव के राजदूतों में बदल देता है।
  - उदाहरण: प्रवासी भारतीय दिवस और नो इंडिया प्रोग्राम (KIP) भारत के वैश्विक सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करते हुए मित्रों और रिश्तेदारों से मिलने वाले (VFR) पर्यटन को बढ़ावा देते हैं।
- **ब्रांड इंडिया को बढ़ाता है:** पर्यटन भारत को संस्कृति, रचनात्मकता और नवाचार के गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करता है, इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को मजबूत करता है और पारंपरिक कूटनीति से परे इसके प्रभाव का विस्तार करता है।
  - उदाहरण: भारत के जीवंत फिल्म उद्योग (बॉलीवुड) ने लद्दाख, कश्मीर और राजस्थान जैसे गंतव्यों को लोकप्रिय बनाया है, साथ ही अंतरराष्ट्रीय फिल्म पर्यटन को आकर्षित किया है और ब्रांड इंडिया को सुदृढ़ किया है।

भारत भविष्य के लिए तैयार पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कैसे कर सकता है?

- **बहु-स्तरीय शासन और नियामक चपलता को मजबूत करना:** पर्यटन उद्यमों के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP), वायबिलिटी गैप फंडिंग (VGF), सरलीकृत नियमों और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस द्वारा समर्थित एकीकृत गंतव्य योजना के माध्यम से केंद्र, राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) और पंचायती राज संस्थानों (PRIs) को सशक्त बनाना।
  - उदाहरण: सतत पर्यटन के लिए राष्ट्रीय रणनीति (2022) और 'एडॉप्ट ए हेरिटेज' (Adopt a Heritage) पहल सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से सहयोगात्मक गंतव्य विकास को बढ़ावा देती है।
- **एकीकृत पर्यटन अवसंरचना का विकास करना:** गंतव्य योजना के साथ हवाई अड्डों, राजमार्गों, रेलवे, डिजिटल अवसंरचना और आवास को संरेखित करना ताकि पहुंच, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और निर्बाध आगंतुक अनुभवों में सुधार किया जा सके।
  - उदाहरण: पीएम गति शक्ति, स्वदेश दर्शन 2.0 और डिजीयात्रा मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को प्रौद्योगिकी-सक्षम यात्रा के साथ एकीकृत करते हैं।
- **संधारणीय और समुदाय-नेतृत्व वाले गंतव्य प्रबंधन को बढ़ावा देना:** पर्यटन लाभों का स्थानीय स्वामित्व सुनिश्चित करते हुए पारिस्थितिक अखंडता को संरक्षित करने के लिए वहन-क्षमता-आधारित योजना, जलवायु-अनुकूल अवसंरचना और सामुदायिक भागीदारी को अपनाना।
  - उदाहरण: ट्रैवल फॉर लाइफ (Travel for LiFE), स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत ग्रामीण होमस्टे योजना के साथ, जिम्मेदार और समुदाय-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देता है।
- **मानव पूंजी और सेवा उत्कृष्टता को मजबूत करना:** आगंतुक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कौशल निर्माण, भाषा दक्षता, डिजिटल क्षमता और ग्राहक-सेवा मानकों के माध्यम से विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी आतिथ्य पेशेवरों का विकास करना।

- उदाहरण: अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाकर्ता (IITF) प्रमाणन कार्यक्रम पेशेवर पर्यटन सेवा मानकों को बढ़ावा देता है।

- **एक लचीला (Resilient) पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र बनाना:** जलवायु और स्वास्थ्य आपात स्थितियों के खिलाफ पर्यटन संपत्तियों, आगंतुकों और स्थानीय आजीविका की सुरक्षा के लिए NDMA दिशानिर्देशों, GIS-आधारित गंतव्य मानचित्रण और आपदा-जोखिम न्यूनीकरण ढांचे के साथ पर्यटन योजना को एकीकृत करना।
  - उदाहरण: हिमालयी पर्यटन सर्किट के लिए GIS-आधारित खतरा मानचित्रण और गंतव्य-विशिष्ट आपदा प्रबंधन योजनाएं आपदा भेद्यता को कम कर सकती हैं और संकट की तैयारियों में सुधार कर सकती हैं।
- **भविष्य के पर्यटन बाजारों में विविधता लाना:** विकसित होती वैश्विक यात्रा प्राथमिकताओं का जवाब देने के लिए वेलनेस, क्रूज, इको, सुलभ (सिल्वर टूरिज्म) और इमर्सिव डिजिटल हेरिटेज अनुभव (AR/VR) जैसे उभरते पर्यटन खंडों का विकास करना।
  - उदाहरण: 'हील इन इंडिया' (Heal in India) पहल और AR/VR-सक्षम संग्रहालय अनुभव आगंतुक जुड़ाव को बढ़ाते हुए भारत के पर्यटन पोर्टफोलियो का विस्तार करते हैं।